Raniganj Girls' College

6th semester Honours

BAPHINC601

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

Time-2 hours **Full Marks-40**

1. निम्नलिखित में से किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1x 5=5**

क) चिंतामणि निबंध संग्रह के कुल कितने भाग हैं?

ख) विद्यानिवास मिश्र के एक निबंध संग्रह का नाम लिखिए।

ग) भय के अतिरिक्त आचार्य रामचंद्र शुक्ल के एक मनोवैज्ञानिक निबंध का नाम लिखिए।

घ) कल्पलता निबंध संग्रह किसके द्वारा रचित है?

ङ) जंग बहादुर किस विधा की रचना है?

च) डॉ रामविलास शर्मा की एक आलोचनात्मक पुस्तक का नाम लिखिए।

छ) 'हिंदी का गद्य साहित्य' के रचनाकार कौन है?

ज) राहुल सांकृत्यायन के एक निबंध संग्रह का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच का उत्तर दीजिए। **2x5=10**

क) निबंध के किन्ही दो प्रकारों के नाम लिखिए।

ख) घुमक्कड़-शास्त्र के रचनाकार कौन है ? उनका वास्तविक नाम क्या था ?

ग) 'विचार और वितर्क' तथा 'परंपरा का मूल्यांकन' के रचनाकारों का नाम क्या है?

घ) महादेवी वर्मा द्वारा रचित दो लेखा-चित्रों के नाम बताइए ।

ङ) विद्यानिवास मिश्र के किन्ही दो निबंध संग्रह के नाम लिखिए।

च) मैत्रेयी पुष्पा द्वारा रचित दो उपन्यासों का नाम लिखिए।

छ) ललित निबंध की दो विशेषताएं लिखिए।

ज) 'परंपरा का मूल्यांकन' एवं 'हिंदी की गद्य विधाएं' के रचनाकारों का नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 3x5= 15

क) "कहते हैं, दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा । क्यों उसे वह याद रखती? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है। "

ख) "निर्भयता की संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित होती है- पहली तो यह कि दूसरों को हमसे किसी प्रकार का भय या कष्ट ना हो ; दूसरी यह कि दूसरे हमको कष्ट या भय पहुंचाने का साहस न कर सकें। इनमें से एक का संबंध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से"

ग) "घुमक्कड़ को इतनी कीर्ति नहीं चाहिए, उसका जीवन तालियों की गुँज के लिए लालायित होने के लिए नहीं है, न उसे दो-बार वर्षों तक सेवा करके पेंशन लेकर बैठना है। घुमक्कड़ी का रोग तपेदिक के रोग से कम नहीं है, वह जीवन के साथ ही जाता है, वहाँ किसी को अवकाश या पेंशन नहीं मिलती। "

घ) "घर में व्यक्ति अपने आश्रितों और सेवकों के प्रति अपने व्यवहार को छुपा सकता है, कृत्रिम बन सकता है, परंतु यात्रा में ऐसा सहज नहीं होता। मनुष्य में जो भी स्वार्थपरता, विवेकहीनता, क्रूरता और असहिष्णुता रहती है, वह ऐसी यात्रा में पग-पग पर प्रकट होती चलती है।"

ङ) "सुख पति के कमाने में क्यों नहीं था? इस सवाल से कस्तूरी अक्सर जूझने लगती है। स्त्री के जीवन में बचपन से लेकर मृत्यु पर्यंत पुरुष का साया ही सुख माना जाता है जबकि उसको कभी सुरक्षा तक महसूस नहीं हुई। "

च) " घनी भौहों के नीचे मुख चौड़ा और नाक कुछ गोल हो गई थी। हँसी से निरंतर खुले हुए ओठों के कोने कान तक फैल कर गाल और कान के अंतर को छिपा देते थे। छोटी और विरल मूछों के काली डोरी जैसे छोर मुँह के दोनों और झूलकर, छोटे-छोटे दांतो से प्रकट होने वाले बचपन का विरोध कर रहे थे। "

4.निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। 1x10= 10

क) हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध-कला पर संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

ख) 'भय' शीर्षक निबंध में लेखक के भय संबंधी मूल विचार उद्घाटित कीजिए।

ग) राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित 'विद्या और वय' की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए।